गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में धर्मपुत्र कला मंच व हरियाणा कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे लोक कला उत्सव का समापन हो गया। संस्कृति मंत्रालय के कला विकास योजना के अंतर्गत प्रायोजित व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से उत्सव आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। समारोह में केंद्र के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि लोक कला उत्सव से छात्राओं को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला है बल्कि एक नई ऊर्जा का भी प्रवाह उनके अंदर हुआ है। इस दौरान प्रो. अशोक वर्मा, डॉ. मोनिका, डॉ. बबीता व डॉ. सरला भी उपस्थित रहीं। संवाद

एआई से शिक्षण कौशल बढ़ाने में मिलेगी मदद

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस व इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ से मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉ. मैत्रेयी दत्ता पहुंची।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। तकनीक इतनी एडवांस हो गई है कि जीवन शैली को बहुत आसान कर दिया है। शिक्षकों को अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि प्रौद्योगिकी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है।

आधुनिकता की दौड़ में प्रौद्योगिकी ही हमें जमाने के साथ रखती है। उन्होंने छात्राओं का अधिक से अधिक शोध कार्य करने के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सोनल बेनीवाल ने किया, जबकि अध्यक्षता इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो. विजय नेहरा ने की। संवाद

तकनीकी माध्यम शोधार्थियों के लिए उपयोगी : डॉ. दत्ता

डॉ. मैत्रेयी दत्ता को प्राध्यापक स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। (अरोड़ा)

गोहाना, 9 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एंड इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस टूल्स फॉर टीचिंग लर्निंग विषय पर आधारित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ के कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफैसर डॉ. मैत्रेयी दत्ता ने छात्राओं को सम्बोधित किया। डॉ. दत्ता ने कहा कि तकनीकी माध्यम शोधार्थियों के लिए उपयोगी है और इनसे शिक्षकों को अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग की अध्यक्षा डॉ. सोनल बेनीवाल ने किया। जबकि अध्यक्षता इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो. विजय नेहरा ने की। कार्यक्रम में बी.टैक अंतिम वर्ष की छात्राओं के अलावा रिसर्च स्कॉलर तथा विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भी भाग लिया। डॉ. मैत्रेयी दत्ता ने इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी की विभिन्न पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने बताया कि आज किस तरह से आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है। तकनीक इतनी एडवांस हो गई है कि हमारी जीवन शैली को बहुत आसान कर दिया है। उन्होंने चैट जी.पी.टी., वी.बी.ए. कोड को स्थापित करना, गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्रॉडकास्ट स्टूडियो, ओ.बी.एस. सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया।

संस्कृति हमारी धरोहर, जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी: शर्मा

■ महिला विश्वविद्यालय में 3 दिवसीय लोक कला उत्सव का समापन

लोक कला उत्सव में लोक नृत्य प्रस्तुत करते हुए कलाकार। (अरोड़ा)

गोहाना, 9 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की कला विकास योजना के अंतर्गत पटियाला में स्थित उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग धर्मपुत्र कला मंच द्वारा आयोजित 3 दिवसीय लोक कला उत्सव का समापन हो गया। समापन समारोह में केंद्र के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा पहुंचे।

छात्राओं को सम्बोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी। आने वाली पीढ़ियों को अपनी धरोहर का ज्ञान होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां बहुत आवश्यक हैं। छात्राओं को किसी न किसी अन्य गतिविधि में शामिल होना चाहिए। इससे व्यक्तित्व का विकास होता है और समानता की भावना आती है। धर्मपुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज जाले ने कहा कि जिंदगी में रौनक कभी फीकी नहीं होनी चाहिए।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि 3 दिन चले लोक कला उत्सव में छात्राओं को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला बल्कि उनमें एक नई ऊर्जा का भी संचार भी हुआ है।

उन्होंने कहा कि कला को अपना व्यवसाय भी बनाया जा सकता है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि डी.जे. के दौर में पारंपरिक संसाधनों से गायन हमारी संस्कृति को पुनर्जीवित करता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक कलाओं में भी निपुणता हासिल की जा सकती है।

इस अवसर पर प्रो. अशोक वर्मा, सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. बबीता, डॉ. सरला आदि भी उपस्थित रहे।

लोक रंग उत्सव से मनोरंजन के साथ मिली नई ऊर्जा

गोहाना | धर्मपुत्र कला मंच और हरियाणा कला परिषद द्वारा भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां चल रहे तीन दिवसीय लोक कला उत्सव का समापन हो गया। इसमें नार्थ जोन कल्चरल सेंटर पटियाला के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा और भाजपा नेता अरुण बडोक ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृति हमारी धरोहर है। इसे जीवित रखना सभी की जिम्मेदारी है। हरियाणा कला परिषद से मनोज जाले ने कहा कि जिंदगी में रौनक कभी फीकी नहीं होनी चाहिए। पढ़ाई के तनाव को कम करने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। यह कई मानसिक परेशानियों का भी समाधान है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि लोक रंग उत्सव से छात्राओं को मनोरंजन के साथ नई ऊर्जा भी मिली। उन्होंने कहा कि कला को व्यवसाय के रूप में अपनाया जा सकता है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने प्रो. अशोक वर्मा, सह-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. बबीता और डॉ. सरला उपस्थित थी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से शिक्षण कौशल होगा बेहतर

भास्कर न्यूज | गोहाना

खानपुर कलां गांव में स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस व इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में व्याख्यान आयोजित हुआ। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फॉर टीचिंग लर्निंग विषय आयोजित व्याख्यान में चैट जीपीटी, वीबीए कोड, गामा एप्लीकेशन आदि के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता ने इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया किआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जीवन को आसान बना रहा है। तकनीक तेजी से एडवांस हो रही है। उन्होंने चैट जीपीटी, वीबीए कोड, गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्रॉडकास्ट स्टूडियो और ओबीएस सॉफ्टवेयर के उपयोग पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये तकनीकी माध्यम शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए बेहद उपयोगी हैं। इससे शिक्षण कौशल को बेहतर बनाया जा सकता है। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट रहना जरूरी है। आधुनिकता की दौड़ में टेक्नोलॉजी ही आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने छात्राओं से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक धरोहर को बचाना हमारी जिम्मेवारी : शर्मा

■ महिला विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय लोक कला उत्सव सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। सहायक निदेशक रविंदर शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए प्रो. श्वेता सिंह व प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां व धर्मपुत्र कला मंच व हरियाणा कला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के कला विकास योजना के अंतर्गत प्रायोजित व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय लोक कला उत्सव कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नार्थ जोन कल्चरल सेंटर पटिआला के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी। आने वाली पीढ़ियों को अपनी धरोहर का ज्ञान होना जरूरी है। पढाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधि बहुत आवश्यक है। छात्राओं को किसी न किसी अन्य गतिविधि में शामिल जरूर होना चाहिए। इससे व्यक्तित्व का विकास होता है, और समानता की भावना आती है। धर्मपुत्र कला मंच के संस्थापक मनोज जाले ने छात्राओं से संवाद में कहा कि जिंदगी में रौनक कभी फीकी नहीं होनी चाहिए। पढाई के तनाव को कम करने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम बहुत से रोगों का इलाज है। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यक्रम से छात्राओं को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला है बल्कि उनमें एक नई ऊर्जा का भी प्रवाह हुआ है। समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, प्रो. अशोक वर्मा सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

भगत फूल सिंह महिला विवि में विस्तृत व्याख्यान

उपयोगी सिद्ध हो रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी

गोहाना। अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- टेक्नोलाजी के साथ अपडेट करना जरूरी : कुलपति प्रोफेसर सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस व इनफार्मेशन टेक्नोलाजी विभाग में विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इनफार्मेशन टेक्नोलाजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फार टीचिंग लर्निंग विषय पर मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ से प्रोफेसर डा. मैत्रेयी दत्ता ने छात्राओं को संबोधित किया। डा. दत्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। तकनीक इतनी एडवांस हो गई है कि हमारी जीवन शैली को बहुत आसान कर दिया है। उन्होंने चेट, जीपीटी, वीबीए कोड को स्थापित करना, गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्राडकास्ट स्टूडियो, ओबीएस साफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया। डा. दंत्ता ने कहा कि ये सारे तकनीकी माध्यम शोधार्थियों के लिए उपयोगी हैं और इनसे शिक्षकों की अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि टेक्नोलाजी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है। आधुनिकता की दौड़ में टेक्नोलाजी ही हमें जमाने के साथ रखती है। उन्होंने छात्राओं से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान किया। संयोजन कम्प्यूटर साइंस विभाग की अध्यक्ष डा. सोनल बेनीवाल ने किया। अध्यक्षता इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो. विजय नेहरा ने की। मौके पर डा. सुनीता, डा. विनोद सरोहा मौजूद रहे।

'टेक्नोलाजी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी'

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस व इनफार्मेशन टेक्नोलाजी विभाग में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रो. सुदेश छिक्कारा, वीसी ●

इनफार्मेशन टेक्नोलाजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फार टीचिंग लर्निंग विषय पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ से प्रोफेसर डा. मैत्रेयी दत्ता ने छात्राओं को संबोधित किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि टेक्नोलाजी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है। आधुनिकता की दौड़ में टेक्नोलाजी ही हमें जमाने के साथ रखती है। उन्होंने छात्राओं से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान किया। डा. दत्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। उन्होंने चेट, जीपीटी, वीबीए कोड को स्थापित करना, गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्राडकास्ट स्टूडियो, ओबीएस साफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया।

फाग और लावणी लोकनृत्य से मचाई धूम

- तीन दिवसीय लोक कला उत्सव के समापन पर कलाकारों एक से बढकर एक प्रस्तुतियां दी
- जम्मू, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने बांधा समां

जागरण संवाददाता, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां मे धर्म पुत्र कला मंच व छात्र कल्याण अधिष्ठाता के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय लोक कला उत्सव का शनिवार रात को समापन हुआ। हरियाणा के कलाकारों ने फाग और महाराष्ट्र के कलाकारों लावणी नृत्य से धूम मचाई। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के नेता अरुण बड़ौक और विशिष्ट अतिथि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा ने कलाकारों को सम्मानित किया।

लोक कला उत्सव में जम्मू, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब व उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने अपनी-अपनी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने डोगरी, नाटी, भंगड़ा, फाग, लावणी और रास नृत्य की प्रस्तुतियां दी। रासलीला से कलाकारों की लठमार और फूलों से होली भी खेली।

कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की कला विकास योजना के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला व हरियाणा कला परिषद के सहयोग से किया गया है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने अतिथियों को पौधे भेंट किए। रविंद्र शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है, उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी। आने वाली पीढ़ियों को अपनी धरोहर का ज्ञान होना जरूरी है। धर्म पुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज जाले ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को अपनी संस्कृति से जोड़ते है और देश की उन्नति में सहयोगी होते हैं। इससे हमारी संस्कृति का चहुंओर विकास होता है।

कला उत्सव मे एक कलाकार प्रस्तुति देता हुआ •

महिला विश्वविद्यालय मे कला उत्सव मे कलाकार प्रस्तुति देते हुए • जागरण

देश की संस्कृति को संजोकर रखना बहुत जरूरी

विश्वविद्यालय के अधिकारियो ने कहा कि भविष्य मे भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे। मुख्य अथिति बड़ौक ने कहा कि देश की संस्कृति को संजोकर रखना बहुत जरूरी है। हमारी संस्कृति विश्व मे सबसे महान है। मंच संचालन डा. श्रीलेखा चौबे ने किया। इस अवसर पर प्रो. श्वेता हुडा, डा. सुमन दलाल, डा. मोनिका, गोहाना संस्कार भारती से राकेश गंगाना, विक्रम सैनी, दीपक, हिमांशु, सुनील भारद्वाज, अमन रहे।

पंजाब के कलाकारविश्वविद्यालय मे प्रस्तुति देते हुए • जागरण

प्रतिभागी छात्राओं व शिक्षकों से संवाद करते प्रोफेसर डॉ. मैत्रेयी दत्ता।

टीचिंग लर्निंग विषय पर आधारित व्याख्यान किया आयोजित

गोहाना, 9 फरवरी (रामनिवास धीमान): गांव खानपुर स्थित भगत फुल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस व इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन कंप्यूटर साइंस विभाग की अध्यक्षा डॉ. सोनल बेनीवाल तथा अध्यक्षता इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो. विजय नेहरा द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में बी टेक अंतिम वर्ष की छात्राओं के अलावा रिसर्च स्कॉलर तथा विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भी भाग लिया। इस व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता ने छात्राओं को संबोधित किया। प्रोफेसर डॉ. मैत्रेयी दत्ता ने चेट,जीपीटी, वी बी ए कोड को स्थापित करना, गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्रॉडकास्ट स्टूडियो, ओबीएस सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. दत्ता ने कहा कि ये सारे तकनीकी माध्यम शोधार्थियों के लिए उपयोगी है। महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि टेक्नोलॉजी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है। छात्राओं से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता, डॉ. विनोद सरोहा भी मौजूद रहे।

अपनी प्रस्तुति देते कलाकार।

तीन दिवसीय लोक कला उत्सव कार्यक्रम का समापन

गोहाना, 9 फरवरी (रामनिवास धीमान): गांव खानपुर स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय व धर्मपुत्र कला मंच व हरियाणा कला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के कला विकास योजना के अंतर्गत प्रायोजित व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय लोक कला उत्सव कार्यक्रम का आज समापन हो गया। समापन समारोह में नार्थ जोन कल्चरल सेंटर पटियाला के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए रविंदर शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी। मनोज जाले ने कहा यह कार्यक्रम हरियाणा कला परिषद के बिना संभव नहीं हो सकता था। पढ़ाई के तनाव को कम करने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम बहुत से रोगों का इलाज है। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने सन्देश में कहा कि तीन दिन चले इस लोक रंग उत्सव छात्राओं को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला है बल्कि एक नई ऊर्जा का भी प्रवाह उनके अंदर हुआ है। उन्होंने छात्राओं को कहा कि कला को अपना व्यवसाय भी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने कहा कि आयोजित लोक उत्सव बहुत ही बेहतरीन व संस्कृति को जागृत करने वाली है। इस अवसर पर प्रो. अशोक वर्मा, सह -छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. बबिता व डॉ. सरला भी उपस्थित रहे।

The First Update
a day ago

The First Update-
खानपुर कलां -8 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के कंप्यूटर साइंस व इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स फॉर टीचिंग लर्निंग विषय पर आधारित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता ने छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन कंप्यूटर साइंस विभाग की अध्यक्षा डॉ सोनल बेनीवाल ने किया। जबकि अध्यक्षता इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो विजय नेहरा ने की।

जानकारी देते हुए डॉ सोनल बेनीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में बी टेक अंतिम वर्ष की छात्राओं के अलावा रिसर्च स्कॉलर तथा विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भी भाग लिया।

प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता ने इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी की विभिन्न पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि आज किस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है। तकनीक इतनी एडवांस हो गयी है कि हमारी जीवन शैली को बहुत आसान कर दिया है। उन्होंने चेट ,जी पी टी , वी बी ए कोड को स्थापित करना , गामा एप्लीकेशन, ओपन ब्रॉडकास्ट स्टूडियो , ओ बी एस सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तार से बताया। डॉ दत्ता ने कहा कि ये सारे तकनीकी माध्यम शोधार्थियों के लिए उपयोगी है, और इनसे शिक्षकों को अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश ने इस आयोजन के लिए कंप्यूटर साइंस विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है। आज आधुनिकता की दौड़ में टेक्नोलॉजी ही हमे जमाने के साथ रखती है। उन्होंने छात्राओं से अधिक से अधिक शोध कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ सुनीता , डॉ विनोद सरोहा भी मौजूद रहे।

फोटो कैप्शन ;- 03 . प्रतिभागी छात्राओं व शिक्षकों से संवाद करते प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता।
04 प्रोफेसर डॉ मैत्रेयी दत्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते डॉ सोनल बेनीवाल, प्रो विजय नेहरा व अन्य।
#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

The First Update
7 minutes ago

The First Update-
खानपुर कलां -9 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कला व धर्मपुत्र कला मंच व हरियाणा कला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के कला विकास योजना के अंतर्गत प्रायोजित व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय लोक कला उत्सव कार्यक्रम का आज समापन हो गया। समापन समारोह में नार्थ जोन कल्चरल सेंटर पटिआला के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

छात्राओं को सम्बोधित करते हुए रविंदर शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। उसको जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी। आने वाली पीढ़ियों को अपनी धरोहर का ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ सांस्कृतिक गतिविधि बहुत आवश्यक है। छात्राओं को किसी न किसी अन्य गतिविधि में शामिल होना चाहिए । इससे व्यक्तित्व का विकास होता है, और समानता की भावना आती है।

अपने संबोधन में मनोज जाले ने कहा यह कार्यक्रम हरियाणा कला परिषद के बिना संभव नहीं हो सकता था। छात्राओं से संवाद में जाले ने कहा कि जिंदगी में रौनक कभी फीकी नहीं होनी चाहिए।पढाई के तनाव को कम करने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम बहुत से रोगों का इलाज है।
कुलपति प्रो सुदेश ने अपने सन्देश में कहा कि शाम 5 बजे के बाद विवि में रौनक ख़तम हो जाती थी। तीन दिन चले इस लोक रंग उत्सव ने महिला विवि की शाम रंगीन कर दी है। इससे छात्राओं को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला है बल्कि एक नई ऊर्जा का भी प्रवाह उनके अंदर हुआ है। उन्होंने छात्राओं को कहा कि कला को अपना व्यवसाय भी बनाया जा सकता है।
इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने कहा कि जिस तरह की प्रस्तुति विवि में आयोजित लोक उत्सव में चल रही है वह बहुत ही बेहतरीन व संस्कृति को जागृत करने वाली है। आज डी जे के दौर में पारंपरिक संसाधनों से गायन हमारी संस्कृति को पुनर्जीवित करता है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक कलाओं में भी निपुणता हासिल की जा सकती है। और व्यवसाय के रूप में अपनाया जा सकता है।
इस अवसर पर प्रो अशोक वर्मा, सह -छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ मोनिका , डॉ बबिता व डॉ सरला भी उपस्थित रहे।
फोटो कैप्शन :- 03 . सहायक निदेशक श्री रविंदर शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह। 04 & 05 . अपनी प्रस्तुति देते कलाकार।

#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

All India Media Association

(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

English

Powered by Translate (https://translate.google.com)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)

08/02/2025 10:15 AM

It is important to update ourselves with technology - Vice Chancellor Prof Sudesh

Khanpur Kalan - 8 February. A detailed lecture was organized in the Department of Computer Science and Information Technology of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan. In the lecture based on the topic of Information Technology and Artificial Intelligence Tools for Teaching Learning, Professor Dr. Maitreyi Dutta of the Department of Computer Science and Engineering, National Institute of Technical Teacher Training and Research Chandigarh addressed the students as the keynote speaker. The program was organized by Dr. Sonal Beniwal, Head of the Department of Computer Science. While the Dean of Engineering Faculty Prof. Vijay Nehra presided over it.

Giving information, Dr. Sonal Beniwal said that apart from B.Tech final year students, research scholars and teachers of various departments also participated in this program.

Professor Dr. Maitreyi Dutta explained in detail about the various methods of Information Technology. She told how Artificial Intelligence is proving useful for us today. Technology has become so advanced that it has made our lifestyle very easy. He explained in detail about chat, GPS, setting up VBA code, Gamma application, Open Broadcast Studio, OBS software. Dr. Dutta said that all these technical mediums are useful for researchers, and these will help teachers to enhance their teaching skills. Vice

Chancellor of Women's University Prof. Sudesh congratulated the Computer Science Department for this event. He said that it is important to update oneself with technology. Today, in the race of modernity, technology is the only thing that keeps us up to date. He called upon the students to do more and more research work.

Dr. Sunita, Dr. Vinod Saroha were also present on this occasion.

Photo caption: - 03. Professor Dr. Maitreyi Dutta interacting with the participating students and teachers.
04 Dr. Sonal Beniwal, Prof. Vijay Nehra and others presenting a memento to Professor Dr. Maitreyi Dutta.